अगर Million Dollar $ बिजनेस चाहते हो तो शुरू करे अपना उद्योग.

14 काम जो आपको अमीर बना सकते हैं.

www.entrepreneurindia.co

Manufacturing Plant (विनिर्माण संयंत्र) शुरू करने के लिए कुछ बुनियादी आवश्यकताएं हैं:

1. उत्पाद: यह पहली आवश्यकता है क्योंकि हर चीज उस उत्पाद पर निर्भर करती है जिसे आप निर्माण करने जा रहे हैं।

2. व्यवहार्यता रिपोर्ट: चयनित उत्पाद का उत्पादन करने की व्यवहार्यता को जानने के लिए यह आवश्यक है। व्यवहार्यता रिपोर्ट में उत्पाद की तकनीकी और वित्तीय व्यवहार्यता दोनों का विश्लेषण करना चाहिए।

3. बाजार पहचान: एक बार व्यवहार्यता स्थापित होने के बाद लक्षित बाजार की पहचान की जानी चाहिए और बाजार में प्रवेश कैसे किया जाना चाहिए।

4. वित्त: यह किसी भी व्यावसायिक उद्यम की स्थापना का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। हमारे पास वृद्धावस्था है जो वास्तविक आवश्यकताओं से कम धन की तुलना में धन नहीं लेना हमेशा बेहतर होता है। उचित वित्तीय व्यवस्था की जरूरत है।

5. टीम: एक बार आपकी योजनाएं हो जाने के बाद आपको अपनी टीम को जगह में रखना होगा। मानव संसाधनों के पेशेवर और समर्पित समय के बिना कोई भी विनिर्माण गतिविधि सफल नहीं हो सकती है।

6. संयंत्र स्थापित करने के लिए क्षेत्र: वह जगह जहां विनिर्माण सुविधा स्थापित की जानी है, निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखकर निर्णय लेने की आवश्यकता है:

- सस्ते भूमि की उपलब्धता
- कुशल और सस्ते श्रम की उपलब्धता
- परिवहन और रसद
- तकनीकी सहायता की आसान उपलब्धता
- बाजारों और कच्चे माल की आसान पहुंच।
- टैक्स ब्रेक / सब्सिडी / सरकारी प्रोत्साहन जैसे वित्तीय विचार

7. उपकरण चयन: यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण निर्णय है क्योंकि आपको कम लागत वाले उपकरणों से शुरू होने वाले विभिन्न उपकरणों को बहुत ही उच्च अंत उपकरण मिलेंगे। आपको अपने बजट और अपने ग्राहकों की आवश्यकता के अनुसार न्यायिक रूप से अपने उपकरण का चयन करने की आवश्यकता है। मेरी निजी सलाह हमेशा शुरुआत से ही अच्छे उपकरण खरीदती है।

8. अनुमतियां और लाइसेंस: आपको अंततः भूमि के कानून के अनुसार सभी आवश्यक लाइसेंस और अनुमतियां प्राप्त करने की आवश्यकता होगी जहां आपने अपना संयंत्र स्थापित किया था।

यहाँ कुछ Business Ideas के बारे में बताया गया है:

प्लास्टिक अपशिष्ट रीसाइक्लिंग संयंत्र (Plastic Waste Recycling Plant)

प्लास्टिक पेट्रोलियम जैसे सीमित संसाधनों से बने होते हैं, और अन्य संसाधनों के बीच प्लास्टिक कचरे को रीसायकल करने के लिए प्रौद्योगिकियों के विकास में बड़ी प्रगति की जा रही है। प्लास्टिक उद्योग और फीडस्टॉक रीसाइक्लिंग विधियों को बनाने के लिए मैकेनिकल रीसाइक्लिंग विधियों को रासायनिक उद्योग में कच्चे माल के रूप में प्लास्टिक का उपयोग व्यापक रूप से अपनाया गया है, और हाल ही में थर्मल रीसाइक्लिंग के महत्व के बारे में भी जागरूकता बढ़ी है ताकि प्लास्टिक का उपयोग ऊर्जा स्रोत के रूप में किया जा सके। पेट्रोलियम संसाधनों की रक्षा करें। प्लास्टिक रीसाइक्लिंग के कई लाभ हैं, यह ऊर्जा बचत और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी में योगदान देता है। यह तेल और गैस जैसे गैर नवीकरणीय स्रोत भी बचाता है। पॉलीथीन टीरेफेथलेट (पीईटी, कभी-कभी पीईटीई) से बने बोतलों को उन पदार्थों का पुन: उपयोग करने के लिए "पुनर्नवीनीकरण" किया जा सकता है, जिससे उन्हें बनाया जाता है और लैंडफिल में जाने वाली अपशिष्ट की मात्रा को कम किया जा सकता है।

भारतीय उद्योग ने पर्याप्त मात्रा में बहुलकों को निर्यात करने के लिए पर्याप्त क्षमता बनाई है। भारत ने अपने पॉलिमर उत्पादन के करीब 17% निर्यात किया। कार्बन उत्सर्जन और उन्हें कम करने की आवश्यकता के बारे में बढ़ती जागरूकता के कारण पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक प्लास्टिक रीसाइक्लिंग बाजार स्थिर गति प्राप्त कर रहा है। इस कारण का हवाला देते हुए, रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक प्लास्टिक रीसाइक्लिंग बाजार, जिसका मूल्य 2015 में 31.5 अरब अमेरिकी डॉलर था, 2024 तक 56.8 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। 2016 और 2024 की पूर्वानुमान अवधि के दौरान वैश्विक बाजार की उम्मीद है 6.9% की सीएजीआर में प्रगति के लिए। पूरी तरह से कोई उद्यमी जोखिम के बिना इस परियोजना में उद्यम कर सकता है और लाभ कमा सकता है। और पढ़े

www.entrepreneurindia.co

शीतगृह (Cold Storage)

ताजा फल और सब्जियां, पैक किए गए मांस को 'उपयोग तिथि' के साथ घोषित किया जाना चाहिए। शीत श्रृंखला का रखरखाव खाद्य सिद्धांतों पर यूरोपीय संघ (ईयू) कानून के मुख्य सिद्धांतों और बुनियादी आवश्यकताओं में से एक है। कच्चे माल, अवयव, मध्यवर्ती उत्पादों और तैयार उत्पादों जो रोगजनक सूक्ष्मजीवों और / या खराब बैक्टीरिया के विकास का समर्थन करने की संभावना रखते हैं, उन्हें तापमान पर रखा जाना चाहिए जिससे स्वास्थ्य के लिए जोखिम न हो। एक ठंडे भंडारण एक तापमान नियंत्रित आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क है, जिसमें भंडारण और वितरण गतिविधियों को इस तरह से किया जाता है कि किसी उत्पाद का तापमान निर्दिष्ट सीमा में बनाए रखा जाता है, इसे ताजा और खाद्य पदार्थों की तुलना में अधिक लंबे समय तक रखने के लिए आवश्यक होता है सामान्य परिवेश की स्थिति।

www.entrepreneurindia.co

शीत श्रृंखला उद्योग का कुल मूल्य 3 अरब अमेरिकी डॉलर जितना अधिक होगा और सालाना 20-25 फीसदी बढ़ रहा है। भारत का शीत श्रृंखला उद्योग अभी भी विकसित हो रहा है, अच्छी तरह संगठित और क्षमता से नीचे संचालन नहीं कर रहा है। उपयोग में अधिकांश उपकरण पुराना और एकल वस्तु आधारित है। सरकारी अनुमानों के मुताबिक, भारत में 5,400 शीत भंडारण सुविधाएं हैं, जिनकी संयुक्त क्षमता 23.66 मिलियन मीट्रिक टन है जो उत्पादित 11% से कम स्टोर कर सकती है। संगठित खुदरा, भारतीय फास्ट फूड मार्केट और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में वृद्धि से प्रेरित 2020 तक भारतीय ठंड भंडारण बाजार में 16.0 9% की सीएजीआर में वृद्धि होने की उम्मीद है। पूरी तरह से इस उद्यमी में निवेश करने के लिए नए उद्यमी के लिए एक अच्छा गुंजाइश है। और पढ़े

www.entrepreneurindia.co

असंतुलित सैंडविच पैनल (Discontinuous Sandwich Panel)

एक सैंडविच पैनल तीन परतों से बना कोई संरचना है: कम घनत्व कोर और एक पतली त्वचा परत प्रत्येक तरफ बंधी हुई है। सैंडविच पैनलों का उपयोग उन अनुप्रयोगों में किया जाता है जहां उच्च संरचनात्मक कठोरता और कम वजन का संयोजन आवश्यक होता है। एसआईपी एक सैंडविच संरचित समग्र है, जिसमें संरचनात्मक बोर्ड की दो परतों के बीच कठोर कोर सैंडविच की एक इन्सुलेटिंग परत होती है, जो भवन निर्माण सामग्री के रूप में उपयोग की जाती है। बोर्ड शीट धातु, प्लाईवुड, सीमेंट, मैग्नीशियम ऑक्साइड बोर्ड (एमजीओ) या ओरिएंटेड स्ट्रैंड बोर्ड (ओएसबी) और कोर या तो विस्तारित पॉलीस्टीरिन फोम (ईपीएस), निकाली गई पॉलीस्टीरिन फोम (एक्सपीएस), पॉलीसाइसाइनेरेट फोम, पॉलीयूरेथेन फोम या समग्र हनीकोम्ब हो सकता है (एचएससी)।

सैंडविच पैनल के लिए बाजार एक उत्कृष्ट गति से विकास कर रहा है। एपीएसी क्षेत्र दुनिया भर में अपने तेजी से बढ़ते बाजार प्रक्षेपवक्र के साथ काफी हद तक बाजार पर हावी है। यह पूर्वानुमान अवधि के दौरान एक सराहनीय सीएजीआर में विस्तार होगा। चीन और भारत के क्षेत्रों में निवेश के स्तर में वृद्धि के कारण यह क्षेत्र तेजी से औद्योगिक विकास भी दिखाएगा, जहां निर्माण क्षेत्र बढ़ रहा है। इसने क्षेत्र में सैंडविच पैनल बाजार के दायरे को और बढ़ा दिया है। उत्तरी अमेरिका 2021 तक तेजी से बढ़ने की उम्मीद है। यूरोप और शेष विश्व 2016 से 2021 तक एक उत्कृष्ट स्तर के सीएजीआर में भी बढ़ने का अनुमान है। इससे नई प्रौद्योगिकियों के विकास की सुविधा मिलती है और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद सुनिश्चित होते हैं। और पढ़े

www.entrepreneurindia.co

मसाला पाउडर और मिर्च पाउडर (Masala Powder and Chilli Powder)

एक मसाला, मसालों और अन्य अवयवों के मिश्रण से बने सूखे (और आमतौर पर सूखे भुना हुआ) मसालों, या एक पेस्ट (जैसे विंदालु मसाला) का मिश्रण हो सकता है-अक्सर लहसुन, अदरक, प्याज और मिर्च पेस्ट। मसाले गैर-पत्तेदार हिस्सों (जैसे कली, फल, बीज, छाल, राइज़ोम, और बल्ब) स्वाद या मसालेदार के रूप में उपयोग किए जाने वाले पौधों के होते हैं, हालांकि कई को हर्बल दवा के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। मसाले हैं, सुगंधित पौधे के सूखे हिस्सों- बीज, शक्तियां, पत्तियां, छाल या जड़ हालांकि कुछ ताजा उपयोग किए जाते हैं। लेकिन मसालों के बारे में कुछ उत्तेजक है जो उनके पाक या औषधीय उपयोग से परे जाते हैं। दक्षिण अमेरिका के मूल निवासी लाल मिर्च, दुनिया के अधिकांश लोगों की खाद्य आदतों में एक अनिवार्य मसाला है। रंग और उछाल अन्य मसालों से मिर्च को अलग करता है।

भारत, मसालों के घर के रूप में जाना जाता है, रोम और चीन की प्राचीन सभ्यताओं के साथ व्यापार का एक लंबा इतिहास दावा करता है। आज, भारतीय मसाले वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक मांग किए जाने के बाद हैं, उनकी उत्कृष्ट सुगंध, बनावट, स्वाद और औषधीय मूल्य दिया गया है। दुनिया में मसालों के लिए भारत का सबसे बड़ा घरेलू बाजार है। मसालों की मांग भविष्य में बढ़ने की उम्मीद है जिससे भारत में मसालों की बिक्री से राजस्व में एक प्रमुख वृद्धि होगी। वित्त वर्ष 2020 में भारत के बाजार से राजस्व 18 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। इस प्रकार, मांग के कारण इस परियोजना में निवेश करना सबसे अच्छा है। और पढ़े

माइक्रोब्र्युरी (Microbrewery)

ग्लोबल क्राफ्ट बीयर बाजार 2017-2021 की अवधि के दौरान 11.04% की सीएजीआर में बढ़ने के लिए। एक माइक्रोब्रूरी या क्राफ्ट ब्रूवरी एक ब्रूवरी है जो छोटी मात्रा में बियर (या कभी-कभी रूट बियर) उत्पन्न करती है, आमतौर पर बड़े पैमाने पर कॉर्पोरेट ब्रूवरीज़ से बहुत छोटी होती है, और स्वतंत्र रूप से स्वामित्व में है। इस तरह की ब्रूवरी आमतौर पर गुणवत्ता, स्वाद और पकाने की तकनीक पर उनके जोर से विशेषता होती है।

क्राफ्ट बीयर और माइक्रोब्रेवरी भारत में विशिष्ट अवधारणाएं हैं जो पिछले कुछ सालों से बढ़ रही हैं और अब आकार लेना शुरू कर रही हैं। वे देश के कई हिस्सों में मशरूम कर रहे हैं। यह एक उभरती प्रवृत्ति है जो निश्चित रूप से मध्यम वर्ग के भारतीयों को आकर्षित करती है, खासकर शहरी क्षेत्रों में। भारत में शिल्प बियर बाजार रुपये पर आंका गया है। 280 करोड़ रुपये और रु। 2020 तक 4,400 करोड़ रुपये। यह नई प्रौद्योगिकियों के विकास की सुविधा प्रदान करता है और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद को सुनिश्चित करता है। और पढ़े

डीएल टार्टेरिक एसिड और इसके नमक (DL Tartaric Acid and Its Salts)

वस्त्र उद्योग के लिए (for Textile Industry)

टार्टेरिक एसिड कई पौधों, विशेष रूप से चिमनी और अंगूर में पाए जाने वाले एक सफेद क्रिस्टलीय डाइकरबॉक्सिलिक एसिड है। 2, 3-डायहाइड्रोक्सीब्यूटेनैडिक एसिड, जिसे टारटेरिक एसिड भी कहा जाता है, एक सफेद क्रिस्टलीय डिप्रोटिक अल्डारिक एसिड होता है। यह कई पौधों, विशेष रूप से अंगूर, केला, और चिमनी में स्वाभाविक रूप से होता है, आमतौर पर बेकिंग सोडा के साथ व्यंजनों में एक खमीर एजेंट के रूप में कार्य करने के लिए संयुक्त होता है, और शराब में पाए जाने वाले मुख्य एसिड में से एक है।

www.entrepreneurindia.co

भारत टारटेरिक एसिड मार्केट को मजबूत सीएजीआर में बढ़ने का अनुमान है क्योंकि टारटेरिक एसिड के उपयोग को पैक किए गए खाद्य पदार्थों में एक संरक्षक के रूप में उपयोग करने के कारण विभिन्न अंत उपयोगकर्ता उद्योगों जैसे खाद्य और पेय पदार्थ, फार्मास्यूटिकल्स में बढ़ते उपयोग के साथ-साथ यह एक पायसीकारक के रूप में कार्य करता है और कीलेटिंग एजेंट। जो नई प्रौद्योगिकियों के विकास की सुविधा प्रदान करता है और एक उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद को सुनिश्चित करता है। और पढ़े

www.entrepreneurindia.co

क्राफ़्ट पेपर (Kraft Paper)

क्राफ्ट पेपर क्राफ्ट प्रक्रिया में उत्पादित रासायनिक लुगदी से उत्पादित पेपर है। सैक क्राफ्ट पेपर, या सिर्फ बेक पेपर, उच्च लोच और उच्च आंसू प्रतिरोध वाला एक छिद्रपूर्ण क्राफ्ट पेपर है, जो पैकेजिंग उत्पादों के लिए डिज़ाइन किया गया है जिसमें ताकत और स्थायित्व की उच्च मांग है। क्राफ्ट प्रक्रिया द्वारा उत्पादित पल्प अन्य pulping प्रक्रियाओं से बना है कि मजबूत है; अम्लीय सल्फाइट प्रक्रियाएं सेलूलोज़ को और अधिक खराब करती हैं, जिससे कमजोर फाइबर होते हैं, और यांत्रिक पल्पिंग प्रक्रियाएं ज्यादातर लिग्निन को फाइबर के साथ छोड़ देती हैं, जबकि क्राफ्ट पल्पिंग मूल रूप से लकड़ी में मौजूद अधिकांश लिग्निन को हटा देती है। पल्प और पेपर कच्चे माल से निर्मित होते हैं जिनमें सेलूलोज़ फाइबर, आम तौर पर लकड़ी, पुनर्नवीनीकरण कागज और कृषि अवशेष होते हैं। विकासशील देशों में, लगभग 60% सेलूलोज़ फाइबर गैर-कच्चे माल जैसे बैगेज, अनाज स्ट्रॉ, बांस, रीड्स, एस्पार्टो घास, जूट, फ्लेक्स और सिसाल से निकलते हैं।

तक बढ़ रही है। 2006 में वार्षिक वैश्विक पेपर और पेपरबोर्ड उत्पादन लगभग 382.0 मिलियन टन था। 2010 तक 402.0 मिलियन टन और 2020 तक 490.0 मिलियन टन तक बढ़ोतरी। इस परियोजना में निवेश करने वाले उद्यमी सफल होंगे। और पढ़े

www.entrepreneurindia.co

पुष्प फोम (फेनोलिक फोम) (Floral Foam (Phenolic Foam))

राल विनिर्माण के साथ (with Resin Manufacturing)

पुष्प फोम प्लास्टिक की स्पंज वाली सामग्री है जो फूलों का उपयोग अपने कई खूबसूरत फूलों के डिजाइन को जगह में रखने के लिए करती है। इसने फूलों की व्यवस्था के परंपरागत तरीके को प्रभावी रूप से बदल दिया है, जो गीले समाचार पत्र, टहनियों, चिकन तार और पिन धारकों का उपयोग करने के लिए प्रेरित हैं। पुष्प फोम कई आकारों और आकारों में उपलब्ध है, जिसमें वर्ग, गोल और अंडाकार के साथ-साथ छोटे, मध्यम और बड़े भी शामिल हैं। कृत्रिम फूल व्यवस्था के लिए उपयोग किए जाने पर यह आमतौर पर हरे या सफेद रंगों में पाया जा सकता है लेकिन अन्य रंग भी बनाया जा सकता है।

वाणिज्यिक फूलों की खेती देश भर के छोटे और बड़े किसानों द्वारा तेजी से एक उच्च लाभकारी आर्थिक गतिविधि माना जा रहा है और अगर क्षेत्र का आयोजन हो जाता है, तो वहां भारी रु। 10,000 करोड़ व्यापार अवसर। यह ध्यान देने योग्य है कि फूलों और फूलों के उत्पादों के लिए $ 11 बिलियन वैश्विक बाजार में भारत के हिस्से के बावजूद लगभग 0.65 प्रतिशत तक पहुंच गया है, विकास क्षमता बड़ी है। 2016 में फोम बाजार का आकार 17.58 अरब अमेरिकी डॉलर था और 2021 तक 22.3 9 बिलियन अमरीकी डालर तक पहुंचने का अनुमान है, 2016 से 4 9 5% के सीएजीआर में 2016 से 2021 तक। पूरी तरह से आप जोखिम के बिना इस परियोजना में निवेश कर सकते हैं और लाभ कमा सकते हैं। और पढ़े

www.entrepreneurindia.co

फाइबर ग्लास (Glass Fiber)

निरंतर फिलामेंट ग्लास फाइबर (सीएफजीएफ) (Continuous Filament Glass Fibers (CFGF))

ग्लास फाइबर भी शीशे रेशा कहा जाता है। यह ग्लास शीशे रेशा के बेहद अच्छे फाइबर से बना सामग्री है जो हल्के, बेहद मजबूत और मजबूत सामग्री है। यद्यपि ताकत गुण कार्बन फाइबर से कुछ हद तक कम हैं और यह कम कठोर है, सामग्री आमतौर पर बहुत कम भंगुर होती है, और कच्चे माल बहुत कम महंगे होते हैं। धातुओं की तुलना में इसकी थोक शक्ति और वजन गुण भी बहुत अनुकूल होते हैं, और इसे मोल्डिंग प्रक्रियाओं का उपयोग करके आसानी से बनाया जा सकता है। ग्लास सबसे पुराना, और सबसे परिचित, प्रदर्शन फाइबर है। निरंतर फिलामेंट ग्लास फाइबर (सीएफजीएफ) को कपड़ा ग्लास फाइबर के रूप में भी जाना जाता है जिसका मुख्य रूप से कंपोजिट बनाने के लिए एक मैट्रिक्स के सुदृढ़ीकरण के रूप में उपयोग किया जाता है।

भारत के संयुक्त उद्योग जो 2015 में लगभग 3 लाख मीट्रिक टन पर खड़े थे, 2020 तक 5.8% की पर्याप्त चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) पर 4.18 लाख मीट्रिक टन तक पहुंचने के लिए तेजी से बढ़ने का अनुमान है। 2017 में शीसे रेशा बाजार का अनुमान 13.9 5 अरब अमेरिकी डॉलर था और 2017 और 2022 के बीच 6.1% की सीएजीआर में 2022 तक 18.75 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। इस प्रकार, मांग के कारण इस परियोजना में निवेश करना सबसे अच्छा है। और पढ़े

प्लास्टिक अपशिष्ट पायरोलिसिस (Plastic Waste Pyrolysis)

(प्लास्टिक से तेल रूपांतरण) ((Plastic to Oil Conversion))

पायरोलिसिस आमतौर पर पहली रासायनिक प्रतिक्रिया होती है जो कई ठोस कार्बनिक ईंधन, कपड़े, लकड़ी, और कागज, और कुछ प्रकार के प्लास्टिक के जलने में होती है। प्लास्टिक कचरे से डीजल के समान तरल ईंधन का उत्पादन करने के लिए निर्जलीय पायरोलिसिस प्रक्रिया का भी उपयोग किया जा सकता है।

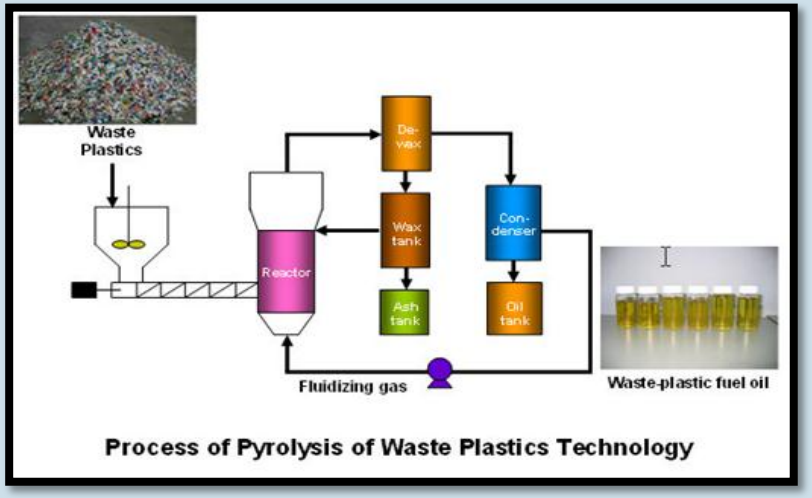

Process of Pyrolysis of Waste Plastics Technology

www.entrepreneurindia.co

बढ़ते औद्योगीकरण और मोटरसाइकिल से पेट्रोलियम उत्पादों की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। चूंकि ये अपरिवर्तनीय संसाधन हैं, भविष्य में इन संसाधनों की उपलब्धता की भविष्यवाणी करना मुश्किल है, जिसके परिणामस्वरूप इसकी आपूर्ति और कीमत में अनिश्चितता और भारत जैसी बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं पर असर पड़ रहा है। अल्कोहल, बायोडीजल, एलपीजी, सीएनजी इत्यादि जैसे कई वैकल्पिक ईंधन पहले से ही परिवहन क्षेत्र में व्यावसायीकरण कर चुके हैं। तेल बाजार में पुनर्नवीनीकरण प्लास्टिक और प्लास्टिक कचरे में हालिया विकास से संकेत मिलता है कि विभिन्न क्षेत्रों में विशेषकर उत्तरी अमेरिका और यूरोप में नीति निर्माताओं और ऊर्जा उद्योग के खिलाड़ी प्रौद्योगिकी के व्यावसायीकरण पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। एक पूरे उद्यमी इस क्षेत्र में उद्यम कर सकते हैं सफल हो जाएगा। और पढ़े

www.entrepreneurindia.co

बीयर प्लांट (Beer Plant)

बीयर में लगभग 90% पानी होता है, और अंतिम बीयर गुणवत्ता के लिए शराब का महत्व अधिक अनुमानित नहीं किया जा सकता है। ऐतिहासिक रूप से एक क्षेत्र की शराब संरचना और बियर के प्रकार के बीच एक सहसंबंध देखा गया था जो क्षेत्र सबसे अच्छा हो सकता है। ब्रूइंग प्रक्रिया में कई कदम हैं, जिनमें मिलिंग, मैशिंग, लॉटरिंग, उबलते, शीतलन, किण्वन, परिपक्वता, फ़िल्टरिंग और पैकेजिंग शामिल हैं। माल्ट पेय, या बियर के उत्पादन में चार मुख्य चरण होते हैं: ब्रू हाउस ऑपरेशंस, किण्वन, बुढ़ापे या माध्यमिक किण्वन, और पैकेजिंग।

www.entrepreneurindia.co

हाल के वर्षों में भारतीय बियर बाजार में वार्षिक वृद्धि लगभग 8% रही है, जो चीन में वृद्धि के साथ तुलना करता है। लेकिन 20 मिलियन किलोग्राम का चीनी बाजार 900,000 किलोलीटर से अधिक भारतीय बाजार की तुलना में 25 गुना अधिक है। भारत में बीयर बाजार राजस्व और मात्रा के आधार पर 16.9 4 प्रतिशत और 14.57 प्रतिशत के सीएजीआर में बढ़ेगा। 2017 में ग्लोबल बीयर मार्केट का मूल्य 593,024 मिलियन डॉलर था, और 2025 तक 685,354 मिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो 201 9 से 2025 तक 1.8% की सीएजीआर में बढ़ रहा है। पूरी तरह से इस उद्यमी में निवेश करने के लिए नए उद्यमी के लिए एक अच्छा गुंजाइश है। और पढ़े

आयोडीनयुक्त नमक (Iodised Salt)

आयोडीनयुक्त नमक सामान्य नमक आयोडिंग द्वारा उत्पादित किया जाता है। आयोडीन हमारे शरीर-प्रणाली में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, क्योंकि इसका उपयोग थायराइड ग्रंथि द्वारा थायरॉक्साइन के संश्लेषण के लिए किया जाता है, जो विकास और विकास गतिविधियों के लिए आवश्यक हार्मोन है। शरीर में आयोडीन की कमी के कारण थायरोक्साइन के संश्लेषण की हानि होती है, जिससे रक्त परिसंचरण स्तर कम हो जाता है। टेबल नमक के लिए अभी तक स्वीकृत एकमात्र आयोडीन एजेंट पोटेशियम आयोडाइड है। यह (0.01%) की एकाग्रता पर मौजूद है।

स्वास्थ्य सर्वेक्षण मंत्रालय के अनुसार आयोडीनयुक्त नमक की मांग प्रति वर्ष 60 लाख टन से अधिक है।

www.entrepreneurindia.co

इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए, अधिक उत्पादन क्षमताओं की आवश्यकता है। इसके अलावा हमारे देश के कई हिस्सों की वजह से आयोडीन में कमी आई है, उद्योग मंत्रालय ने गिटार की समस्या की जांच के लिए आम नमक को आयोडीन करने के लिए दुर्घटना कार्यक्रम शुरू कर दिया है; बहरापन, शारीरिक विकृति और मानसिक मंदता। अखिल भारतीय स्तर पर नमक प्रवेश 93.8% होने का अनुमान है, जिसमें शहरी क्षेत्रों में 96.8%, ग्रामीण क्षेत्रों में 92.7% शामिल हैं। इस प्रकार, मांग के कारण इस परियोजना में निवेश करना सबसे अच्छा है। और पढ़े

ट्रक बॉडी बिल्डिंग (Truck Body Building)

एक ट्रक या लॉरी एक मोटर वाहन है जो कार्गो परिवहन के लिए डिज़ाइन किया गया है। ट्रक आकार, शक्ति, और विन्यास में काफी भिन्न होते हैं; छोटी किस्में यांत्रिक रूप से कुछ ऑटोमोबाइल के समान हो सकती हैं। वाणिज्यिक ट्रक बहुत बड़े और शक्तिशाली हो सकते हैं, और विशेष उपकरणों को माउंट करने के लिए कॉन्फ़िगर किया जा सकता है, जैसे कि आग ट्रक और कंक्रीट मिक्सर और सक्शन एक्स्कवेटर के मामले में।

भारतीय ट्रकिंग उद्योग का मूल्य वर्तमान में $ 130 बीएन है और देश के माल के 80% परिवहन के लिए सड़क वाहनों पर लगभग 5.6 एमएन हैं। रेस इनोवेशन के मुताबिक, भारतीय ट्रेलर बाजार 2016 से 2020 की अवधि के दौरान 9.5% की एक संयुक्त वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) में बढ़ने की उम्मीद है। इससे नई प्रौद्योगिकियों के विकास की सुविधा मिलती है और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद सुनिश्चित होते हैं। और पढ़े

ग्लास शीट (Glass Sheet)

ग्लास एक पारदर्शी सामग्री है, खासकर विद्युत चुम्बकीय स्पेक्ट्रम के दृश्य क्षेत्र में। पारदर्शी और रंगीन ने अपने आविष्कार के प्रारंभिक दिनों में सजावटी और रोशनी के उद्देश्यों के लिए सबसे अच्छा चश्मा बनाया है। ग्लास एक गैर क्रिस्टलीय ठोस है। इसका मतलब है कि चट्टानों में प्रकृति (परमाणुओं, अणुओं या आयनों के समूह) की नियमित आवधिक व्यवस्था अनुपस्थित है। आकृति के लंबी दूरी के क्रम की क्रिस्टलीय विशेषता की कमी है और शॉर्ट-रेंज ऑर्डर ग्लास सामग्री में प्रचलित है। चश्मा तरल अवस्था में पर्याप्त मात्रा में एक सामग्री को बुझाने के द्वारा गठित होते हैं ताकि परमाणु स्वयं को क्रिस्टलीय रूप में व्यवस्थित न कर सकें और चश्मा बना सकें।

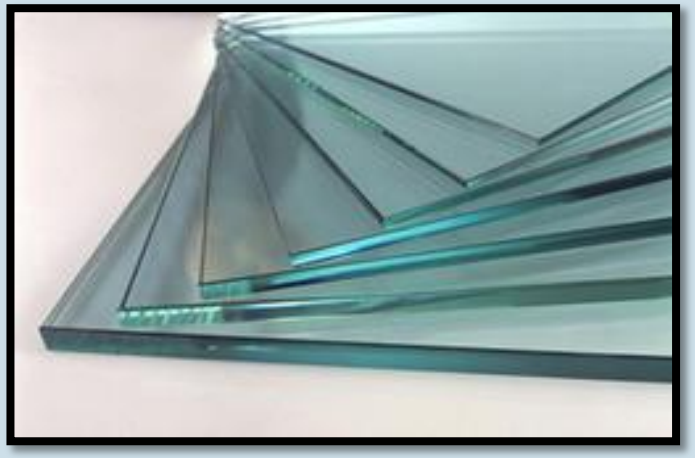

www.entrepreneurindia.co

ग्लास शीट्स और प्लेट कांच स्पष्ट या पारदर्शी हो सकता है, या ओपेलेसेंट या इंद्रधनुषी गुणवत्ता देने के लिए अन्य तत्वों के साथ इलाज किया जा सकता है। जो नई प्रौद्योगिकियों के विकास की सुविधा प्रदान करता है और एक उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद को सुनिश्चित करता है। प्रतिरोधी कांच ग्लास शीट की परतों का उपयोग करके या पारदर्शी पॉली कार्बोनेट थर्माप्लास्टिक का उपयोग करके किया जाता है। डिक्रोइक कांच ग्लास है जो ग्लास को एक अद्वितीय रंग और बनावट देने के लिए धातु ऑक्साइड के साथ स्तरित किया गया है। टेम्पर्ड ग्लास नियमित ग्लास शीट्स और प्लेट ग्लास की तुलना में मजबूत और अधिक टिकाऊ है। इसका उपयोग विभिन्न प्रकार के उत्पादों में किया जाता है, जिनमें वाहन खिड़कियां और स्कूबा डाइविंग उपकरण, समुद्री वाहन और कुछ कुकवेयर जैसी विशेष वस्तुएं शामिल हैं। टेम्पर्ड ग्लास को गर्म करके बनाया जाता है और फिर कांच की सतह में अवशिष्ट संपीड़न तनाव को प्रेरित करने के लिए ग्लास को तेजी से ठंडा कर दिया जाता है। और पढ़े

www.entrepreneurindia.co

Tags

छोटे और मध्यम कम निवेश और उच्च लाभ के साथ व्यापार, कम पैसे में सबसे ज्यादा मुनाफा वाले 5 अच्छे बिजनेस, शुरू करें बिजनेस, कम लागत के लघु उद्योग, सबसे बढ़िया कम निवेश व्यवसाय, कम पूंजी का व्यापार, कौन सा व्यवसाय सबसे अधिक लाभदायक है? लाभदायक व्यापार, क्या व्यापार करे, कम पूंजी का व्यापार, सफल व्यापार, नया व्यापार, छोटे व्यापार, व्यापार विचारों, व्यापार करने संबंधी, नए बिजनेस आइडिया, Business Ideas, छोटा बिजनेस शुरू करने के लिये आइडिया, Business Ideas In Hindi, Small Business Ideas, खर्चा कम कमाई ज्यादा वाले बिज़नेस, कम खर्च मे नये बिज़नस की शुरवात, कम लागत वाले व्यापर, कम पूँजी से व्यापार कैसे शुरू करें, नए बिजनेस आइडिया, नया बिजनेस, नए बिजनेस आइडिया 2018, मुनाफे वाले बिजनेस, कम पैसे मे बिजनेस, Ideas for Businesses You Can start, Most Profitable Business Ideas, Profitable Business Ideas For 2018, What are the top most profitable businesses in India? What are most profitable manufacturing businesses in India, Highly Profitable Business Ideas, Most Profitable Manufacturing Business to Start, Manufacturing Business & Investment Opportunity, Which small scale industry is best to start in india now? Small Scale Manufacturing Business Ideas, Starting Your Own Business,

Most Profitable Industries to Start a Business, शुरू करें ये बिजनेस, हो जाएंगे मालामाल, शुरू करें ये बिजनेस होगी लाखों की होगी कमाई, अपना खुद का बिजनेस शुरू करें, शुरू करे खुद का बिजनेस, Start a Business- अपना खुद का Business कैसे Start करे, अपना बिज़नस कैसे शुरू करें पूरी जानकारी हिंदी में, कैसे करें अपने बिजनेस की शुरुआत, सफल बनने के लिए करें खुद का बिजनेस, अपना बिज़नेस कैसे स्टार्ट करे इन हिंदी, खुद का बिजनेस, कौन सा बिजनेस फायदेमंद है, कम पैसे मे शुरू करे बिज़नस पाए अधिक मुनाफा, कम लागत वाले व्यवसाय व्यापार, बिजनेस आइडिया, व्यापार के सुझाव, सबसे बढ़िया कम निवेश व्यवसाय, अपना उद्योग, ऐसे कीजिए कम लागत में लाभकारी व्यवसाय, कम लागत मुनाफा कई गुना, बड़ा बिजनेस, अधिक फायदेवाला बिजनेस, कौन सा व्यापार करे, कौन सा व्यापार रहेगा आपके लिए फायदेमंद

See more

https://goo.gl/cbgJtk
https://goo.gl/9J2kMZ
https://goo.gl/ow1Wk5
https://goo.gl/asys2B
https://goo.gl/DaeLEu

लघु व कुटीर उद्योग

(स्मॉल स्केल इण्डस्ट्रीज़)

Laghu V Kutir Udyog

(Small Scale Industries)

http://goo.gl/2KrF8G

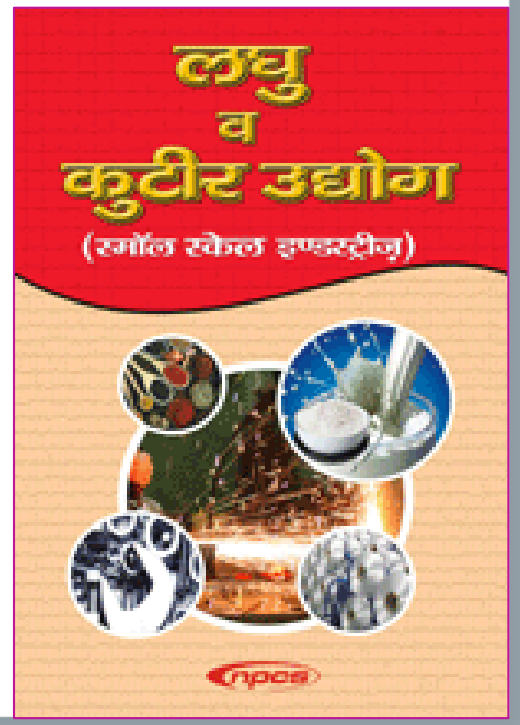

www.entrepreneurindia.co

स्मॉल स्केल इण्डस्ट्रीज़/ प्रोजेक्ट्स

(लघु, कुटीर व घरेलू उद्योग परियोजनाएं)

उद्यमिता मार्गदर्शिका

Small Scale Industries, Projects

(Laghu, Kutir and Gharelu Udyog Pariyojanayen)

Udyamita Margdarshika

http://goo.gl/3857gN

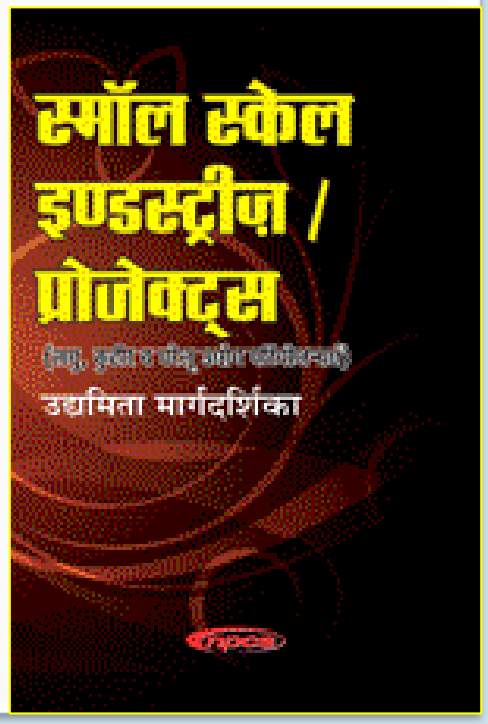

www.entrepreneurindia.co

लघु एवं गृह उद्योग

स्वरोज़गार परियोजनाएं

Laghu v Griha Udyog

(Swarozgar Pariyojanayen)

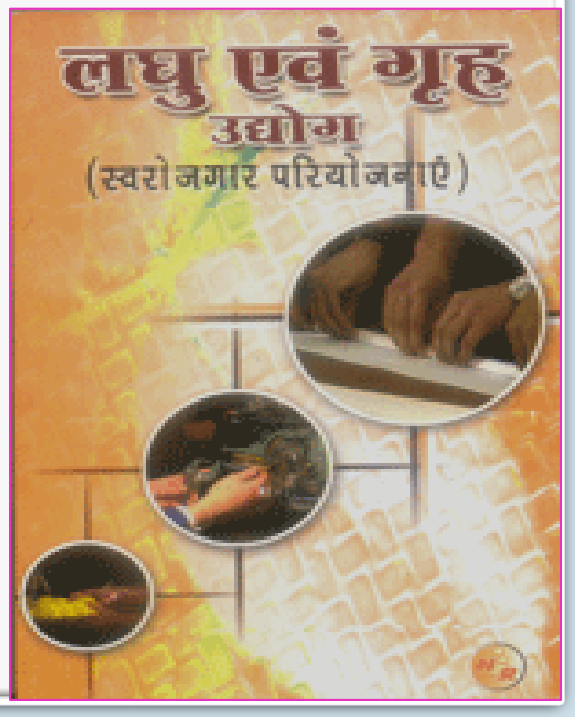

http://goo.gl/gUfXbM

www.entrepreneurindia.co

Startup Projects for Entrepreneurs

50 Highly Profitable Small & Medium Industries

http://goo.gl/Jf0264

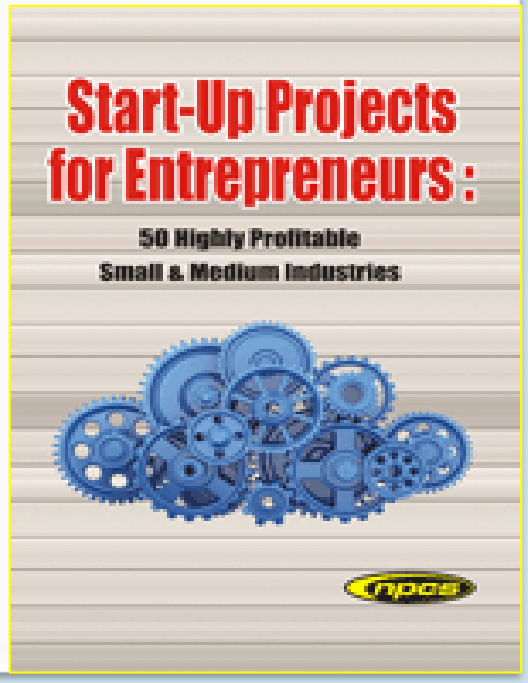

www.entrepreneurindia.co

Entrepreneur's Startup Handbook:

Manufacturing of Profitable Household (FMCG) Products with Process & Formulations

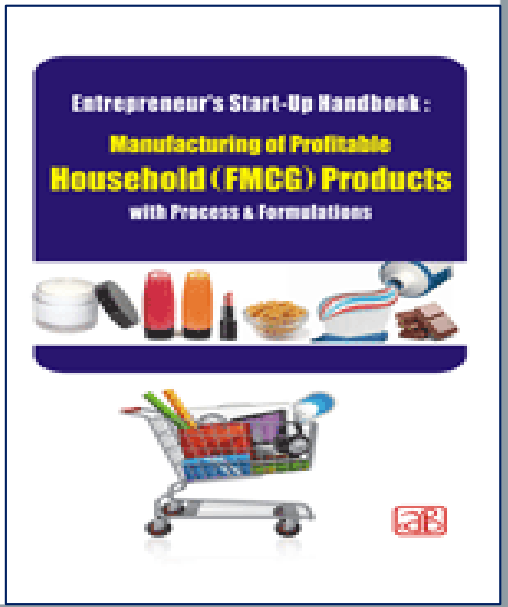

http://goo.gl/f3hnCo

www.entrepreneurindia.co

Reasons for Buying Our Report:

- The report helps you to identify a profitable project for investing or diversifying into by throwing light to crucial areas like industry size, market potential of the product and reasons for investing in the product
- The report provides vital information on the product like it's characteristics and segmentation
- The report helps you market and place the product correctly by identifying the target customer group of the product

- **The report helps you understand the viability of the project by disclosing details like machinery required, project costs and snapshot of other project financials**
- **The report provides a glimpse of government regulations applicable on the industry**
- **The report provides forecasts of key parameters which helps to anticipate the industry performance and make sound business decisions**

Our Approach:

- Our research reports broadly cover Indian markets, present analysis, outlook and forecast for a period of five years.
- The market forecasts are developed on the basis of secondary research and are cross-validated through interactions with the industry players
- We use reliable sources of information and databases. And information from such sources is processed by us and included in the report

Free Instant Online Project Identification and Selection Service

Our Team has simplified the process for you by providing a "Free Instant Online Project Identification & Selection" search facility to identify projects based on multiple search parameters related to project costs namely: Plant & Machinery Cost, Total Capital Investment, Cost of the project, Rate of Return% (ROR) and Break Even Point % (BEP). You can sort the projects on the basis of mentioned pointers and identify a suitable project matching your investment requisites.....Read more

www.entrepreneurindia.co

Download Complete List of Project Reports:

- **Detailed Project Reports**

NPCS is manned by engineers, planners, specialists, financial experts, economic analysts and design specialists with extensive experience in the related industries.

Our Market Survey cum Detailed Techno Economic Feasibility Report provides an insight of market in India. The report assesses the market sizing and growth of the Industry. While expanding a current business or while venturing into new business, entrepreneurs are often faced with the dilemma of zeroing in on a suitable product/line.

And before diversifying/venturing into any product, they wish to study the following aspects of the identified product:

- **Good Present/Future Demand**
- **Export-Import Market Potential**
- **Raw Material & Manpower Availability**
- **Project Costs and Payback Period**

The detailed project report covers all aspect of business, from analyzing the market, confirming availability of various necessities such as Manufacturing Plant, Detailed Project Report, Profile, Business Plan, Industry Trends, Market Research, Survey, Manufacturing Process, Machinery, Raw Materials, Feasibility Study, Investment Opportunities, Cost and Revenue, Plant Economics, Production Schedule,

Working Capital Requirement, uses and applications, Plant Layout, Project Financials, Process Flow Sheet, Cost of Project, Projected Balance Sheets, Profitability Ratios, Break Even Analysis. The DPR (Detailed Project Report) is formulated by highly accomplished and experienced consultants and the market research and analysis are supported by a panel of experts and digitalized data bank.

We at NPCS, through our reliable expertise in the project consultancy and market research field, have demystified the situation by putting forward the emerging business opportunity in India along with its business prospects.....Read more

Visit us at:

Entrepreneur India

www.entrepreneurindia.co

www.niir.org

www.entrepreneurindia.co

Take a look at
NIIR PROJECT CONSULTANCY SERVICES
on #Street View

https://goo.gl/VstWkd

Locate us on

Google Maps

https://goo.gl/maps/BKkUtq9gevT2

Contact us

Niir Project Consultancy Services

106-E, Kamla Nagar, Opp. Spark Mall,

New Delhi-110007, India.

Email: npcs.ei@gmail.com , info@entrepreneurindia.co

Tel: +91-11-23843955, 23845654, 23845886, 8800733955

Mobile: +91-9811043595Fax: +91-11-23841561

Website : www.entrepreneurindia.co , www.niir.org

Take a look at NIIR PROJECT CONSULTANCY SERVICES on #StreetView

https://goo.gl/VstWkd

NIIR PROJECT CONSULTANCY SERVICES

An ISO 9001:2015 Company

www.entrepreneurindia.co

Who are We?

- *One of the leading reliable names in industrial world for providing the most comprehensive technical consulting services*

- *We adopt a systematic approach to provide the strong fundamental support needed for the effective delivery of services to our Clients' in India & abroad*

www.entrepreneurindia.co

What do We Offer?

- *Project Identification*
- *Detailed Project Reports/Pre-feasibility Reports*
- *Business Plan*
- *Market Research Reports*
- *Technology Books and Directory*
- *Industry Trend*
- *Databases on CD-ROM*
- *Laboratory Testing Services*
- *Turnkey Project Consultancy/Solutions*
- *Entrepreneur India (An Industrial Monthly Journal)*

How are We Different ?

- *We have two decades long experience in project consultancy and market research field*
- *We empower our customers with the prerequisite know-how to take sound business decisions*
- *We help catalyze business growth by providing distinctive and profound market analysis*
- *We serve a wide array of customers , from individual entrepreneurs to Corporations and Foreign Investors*
- *We use authentic & reliable sources to ensure business precision*

Our Approach

- Requirement collection
- Thorough analysis of the project
- Economic feasibility study of the Project
- Market potential survey/research
- Report Compilation

Contact us

NIIR PROJECT CONSULTANCY SERVICES

106-E, Kamla Nagar, Opp. Spark Mall,

New Delhi-110007, India.

Email: npcs.ei@gmail.com , info@entrepreneurindia.co

Tel: +91-11-23843955, 23845654, 23845886, 8800733955

Mobile: +91-9811043595

Website : www.entrepreneurindia.co , www.niir.org

Take a look at NIIR PROJECT CONSULTANCY SERVICES on #StreetView

https://goo.gl/VstWkd

Follow Us

- https://www.linkedin.com/company/niir-project-consultancy-services
- https://www.facebook.com/NIIR.ORG
- https://www.youtube.com/user/NIIRproject
- https://plus.google.com/+EntrepreneurIndiaNewDelhi
- https://twitter.com/npcs_in
- https://www.pinterest.com/npcsindia/

For more information, visit us at:

www.entrepreneurindia.co

www.niir.org